कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (17) खण्ड -{33}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- माला के दाने किसको कहा जाता है ?

A- ब्राह्मणों को

B- प्रजापिता को

C- मम्मा- बाबा को

D- सिजरे को

प्रश्न 2-अन्त मति सो गति कैसे होगी ?

A- मामेकम याद करो

B- मनमनाभव

C- मध्याजी भव

D- ततत्वम्

प्रश्न 3- हेल्थ वेल्थ है तो क्या है ?

A- पीस

B- प्रोसपर्टी

C- हैप्पी

D- ब्लिस

प्रश्न 4- हम घर क्यों नहीं जा सकते है ?

A- क्योंकि बाप को ठीक रीति याद नहीं करते।

B- माया ने पंख काट दिए है।

C- अभी नई दुनिया की स्थापना हो रही है।

D- अभी हम पुरूषार्थी है।

प्रश्न 5- सन्यासी सारे दिन क्या कहते रहते है?

A- हिम्मते बच्चे मददे बाप

B- शिव काशी विश्वनाथ गंगा

C- अकाल मूर्त

D- शिवोहम्

प्रश्न 6- शिवबाबा तुम्हारा कौन है ?

A- बाबा

B- दादा

C- बापदादा

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 7- बाप की याद किसके मिसल है?

A- चींटी

B- राई

C- भ्रमरी

D- पारे

प्रश्न 8- यह सबसे बड़ा कोस है, पहले तो यह बन्द करो। पहले क्या बन्द करना है ?

A- गऊ कोस

B- आात्म कोस

C- काम कटारी

D- एक दो को दुःख देना

प्रश्न 9- सब फिकरातों से छूटने के लिए क्या करना है ?

A- बाबा की याद मे रहना है।

B- ड्रामा को बुद्धि में रखना है।

C- पतितों को पावन बनाना है।

D- दूसरों का कल्याण करना है।

प्रश्न 10- संगमयुग पर सदा स्वयं को क्या समझकर चलो ?

A- बेफिकर बादरशाह

B- विश्व के बादशाह

C- डबल ताजधारी

D- स्वदर्शन चक्रधारी

प्रश्न 11- बैरिस्टरी, इंजीनियरी आदि सबका मूल माखन है ?

A- आदि मध्य अंत का नॉलेज

B- गॉडली नॉलेज

C- बेहद का नॉलेज

D- A और C

प्रश्न 12-यह तो सबसे बड़ा यज्ञ है, जिस ज्ञान यज्ञ से ..... ?

A- सारी सृष्टि स्वाहा होनी है।

B- सारी सृष्टि के दुःख टल जाते हैं।

C- सब पतित से पावन बन जाएंगे ।

D- सब विश्व की राजाई पाएंगे।

प्रश्न 13- अंत मे सभी आत्माएँ अपने अपने सेक्शन में चली जाएंगी, फिर क्या होगा ?

A- फिर शुरू होगा महाविनाश

B- फिर होगा कृष्ण का जन्म

C- फिर शुरू होगा देवी देवता धर्म

D- फिर से ड्रामा रिपीट होगा

प्रश्न 14- कौन से दो चित्र पर बिल्कुल क्लियर समझाया जा सकता है ?

A- त्रिमूर्ति, झाड़

B- सीढ़ी, गोला

C- गोला, झाड़

D- त्रिमूर्ति, गोला

प्रश्न 15- गाते भी हैं ज्ञान,भक्ति, वैराग्य। वैराग्य किसका ?

A- भक्ति का

B- देह दुनिया का

C- पुरानी छी छी दुनिया का

D- मैं और मेरेपन का

प्रश्न 16- रावण को अंग्रेजी में क्या कहते हैं ?

A- डेविल

B- इमॉर्टल

C- एफीजी

D- ईविल

भाग (17) खण्ड {33} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- D- सिजरे को

श्रीमत पर ही हमको चलना है। यह भी तुम जानते हो श्री-श्री शिवबाबा की मत पर हम श्रेष्ठ बनकर माला के दाने बनेंगे। *माला के दाने कहा जाता है सिजरे को।* सिजरा होता है ना फिर वह बढ़ता जाता है। बाबा ने खुद सिजरा बनाया है, यह भी सिजरा है। ऊपर में है निराकारी शिवबाबा, फिर हैं आत्मायें।

उत्तर 2- A- मामेकम याद करो

बाप कहते हैं देखो - बच्चे तुमको क्या से क्या बनाता हूँ। अब ऐसे बाप को निरन्तर याद जरूर करना है तो विकर्म विनाश होंगे। *बाप कहते हैं - मामेकम् याद करो तो अन्त मती सो गति हो जायेगी।* जैसा चिंतन किया जाता है वैसा

बन जाते हैं, तो बाप कहते हैं मुझे याद करते-करते तुम भी बन जायेंगे।

उत्तर 3- C- हैप्पी

यह नॉलेज सोर्स आफ इनकम है। *हेल्थ वेल्थ है तो हैप्पी भी है।* वहाँ कितनी बड़ी आयु होती है। योगेश्वर कृष्ण को नहीं कहेंगे। योगेश्वर तुम हो। ईश्वर तुमको योग सिखा रहे हैं। यह राजयोग है। योग लगाकर तुम राज्यभाग्य पाते हो।

उत्तर 4- B- माया ने पंख काट दिए है।

जब कोई मरते हैं तो कहते हैं - गॉड फादर को याद करो तो दो फादर सिद्ध होते हैं ना। सभी आत्मायें ब्रदर्स हैं। आत्मा ही पुकारती है हे दु:ख हर्ता सुख कर्ता, हे लिबरेटर आओ, हमको घर जाने के लिए गाइड करो। *हमको घर याद है परन्तु जा नहीं सकते क्योंकि माया ने पंख तोड़ डाले हैं।* कोई घर वापिस जा नहीं सकते।

उत्तर सं 5- B - *शिव काशी विश्वनाथ गंगा*

जमुना-गंगा नाम अभी तक चला आता है। वास्तव में ज्ञान गंगायें तुम हो। जमुना का इतना प्रभाव नहीं जितना गंगा का है। बनारस, हरिद्वार में गंगा है। *वहाँ बहुत साधू आदि जाते हैं। वहाँ जाकर कहते हैं शिव काशी विश्वनाथ गंगा।* विश्वनाथ ने गंगा बहाई, जटाओं से। ऐसे कहते हैं और समझते हैं गंगा के कण्ठे पर रहने से हमारी मुक्ति हो जायेगी। बहुत जाकर काशीवाश करते हैं।

विद्वान, पण्डित, आचार्य तो अपने को शिवोहम् कह बैठ पूजा कराते हैं। बहुत करके *संन्यासी लोग हरिद्वार में जाकर रहते हैं। सारा दिन कहते रहते हैं शिव काशी विश्वनाथ गंगा।* बाप कितना अच्छी रीति बैठ समझाते हैं।

उत्तर सं 6- A - *बाबा*

बापदादा दोनों मिले हुए हैं। बाप-दादा का अर्थ कोई समझ न सके। तार में सही करते हैं, बापदादा। कोई समझ न सके। अरे *शिवबाबा तुम्हारा बाबा है।* प्रजापिता ब्रह्मा दादा है ना। तो बापदादा हुए ना। अब बाप कहते हैं मैं आया हूँ -

इन द्वारा तुमको वर्सा देने। शिवबाबा तुम्हारा भी है। प्रजापिता ब्रह्मा भी सबका बाप हो गया। वर्सा शिवबाबा से मिलता है।

उत्तर सं 7- D - *पारे*

बाप समझाते हैं मीठे-मीठे बच्चे भूलो मत। माया बड़ी प्रबल है। *बाबा की याद पारे मिसल है,* झट भूल जाती है। बाप कहते हैं - भल गृहस्थ-व्यवहार में रहो, सिर्फ पवित्र बनो।

उत्तर सं 8- C - *काम कटारी*

वह होते हैं मनुष्य सोसायटी की जिस्मानी सर्विस करने वाले। अभी देखो वह कहते हैं गऊ का कोस करना बन्द करो। *तुम लिख सकते हो कि एक दो पर काम कटारी चलाना - यह सबसे बड़ा कोस है। पहले तो यह बन्द करो।* जिसके लिए ही भगवान ने कहा है काम महाशत्रु आदि-मध्य-अन्त दु:ख देने वाला है।

उत्तर 9- B - *ड्रामा को बुद्धि में रखना है।*

जो कुछ पार्ट चलता है वह ड्रामा अनुसार। आज यहाँ बैठे हो और कल बीमार हो जाते, वह भी कहेंगे ड्रामा अनुसार भोगना भोगनी है। कल्प-कल्प ऐसे होगा। ड्रामा बुद्धि में है इसलिए कोई फिकरात नहीं होती है। .... *सब फिकरातों से छूटने के लिए ड्रामा को बुद्धि में यथार्थ रीति रखना है।* जो बीता कल्प पहले मुआफिक।

उत्तर 10- C - *डबल ताजधारी*

संगमयुग पर सदा स्वयं को डबल ताजधारी समझकर चलो - एक लाइट अर्थात् प्युरिटी का ताज और दूसरा - जिम्मेवारियों का ताज। प्युरिटी और पावर - लाइट और माइट का क्राउन धारण करने वालों में डबल फोर्स सदा कायम रहता है। ऐसी डबल फोर्स वाली आत्मायें सदा शक्तिशाली रहती हैं। उन्हें सर्विस वा पुरूषार्थ में सदा सफलता प्राप्त होती है।

उत्तर 11- B - *गॉडली नॉलेज*

नॉलेज काहे का? क्या बैरिस्टर सर्जन का नॉलेज? परमात्मा को सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का नॉलेज है। उसमें सब नॉलेज आ जाती है - *बैरिस्टरी, इन्जीनियरी आदि सबका मूल माखन है गॉडली नॉलेज।* वह जिस्मानी नॉलेज पढ़ना, इन्जीनियर आदि बनना कोई बड़ी बात नहीं है।

उत्तर 12- B - *सृष्टि के दु:ख टल जाते हैं।*

यज्ञ आदि भी यहाँ रचा जाता है। बाप समझाते हैं यह अन्तिम यज्ञ है फिर सतयुग त्रेता में कोई यज्ञ नहीं होता। किसम-किसम के यज्ञ रचते हैं, बरसात नहीं हुई तो यज्ञ रचेंगे। कोई भी दु:ख आता है तो यज्ञ रचते हैं, समझते हैं यज्ञ से दु:ख टल जायेंगे। *यह तो सबसे बड़ा यज्ञ है, जिस ज्ञान यज्ञ से सारी सृष्टि के दु:ख टल जाते हैं।*

उत्तर 13- C - *फिर शुरू होगा देवी देवता धर्म*

तुम सतयुग के मालिक बन जायेंगे। कितना सहज है। कोई भी धर्म वाला समझ जाए। बताना चाहिए, फलाना धर्म कब स्थापन होता है! *अन्त में सभी आत्मायें अपने-अपने

सेक्शन में चली जायेंगी। फिर शुरू होगा देवी-देवता धर्म।* ब्रह्मा द्वारा स्थापना, यह लिखा हुआ है।

उत्तर 14- D - *त्रिमूर्ति, गोला*

ब्रह्मा द्वारा स्थापना, यह लिखा हुआ है। त्रिमूर्ति का चित्र है नम्बरवन। *त्रिमूर्ति और गोला इस चित्र पर बिल्कुल क्लीयर समझाया जा सकता है।*

उत्तर 15- C - *पुरानी छी छी दुनिया का*

कितना क्लीयर समझाते हैं। कल्प-कल्प यह समझाया था। *गाते भी हैं ज्ञान, भक्ति, वैराग्य। वैराग्य किसका? इस पुरानी छी-छी दुनिया का।* पुरानी दुनिया में बिल्कुल पाप आत्मा बन गये हैं।

उत्तर 16- D - *ईविल*

पुरानी दुनिया में बिल्कुल पाप आत्मा बन गये हैं। कहते भी हैं पतित-पावन, लिबरेटर आओ। लिबरेट किससे

करना है? दु:ख से। रावण राज्य से। *रावण को अंग्रेजी में ईविल (शैतान) कहते हैं।* तो कहते हैं शैतान राज्य से मुक्त कर घर ले चलो।

भाग - (17) खण्ड -{34}

प्रश्न 1- रात दिन यही चिंतन करो कि....?

A- पतितों को पावन कैसे बनाएं ।

B- पतितों को पावन बनने का रास्ता कैसे बताएं।

C- पावन दुनिया में कैसे जाएं।

D- विकर्म विनाश कैसे हो।

प्रश्न 2- अविनाशी सर्जन की दवाई कौन सी है ?

A- ज्ञान

B- मुरली

C- योगबल

D- मनमनाभाव

प्रश्न 3- सयाने सेंसिबुल बच्चे पुरुषार्थ करते हुए कौन सी श्रीमत का ध्यान रखते हैं ?

A- पवित्र बनने का

B- याद और सेवा का बैलेंस रखने का

C- जो हुआ वह ड्रामा

D- निमित्त बन अनेक आत्माओं का कल्याण करने का

प्रश्न 4- बच्चों की बुद्धि में अभी कौनसी दुनिया है ?

A- नई दुनिया

B- पुरानी दुनिया

C- आत्माओं की दुनिया

D- A और B

प्रश्न 5- सामने आने से ही साधारण आत्मा अपनी साधारणता को भूल जाएगी क्यों ?

A- दिव्य नयनों द्वारा दिव्य अनुभूति होगी।

B- साधारण जीवन से आत्माएँ संतुष्ट नही हैं।

C- जीवन में कुछ नवीनता चाहिए

D- अलौकिकता दिव्यता जीवन का आधार है- यह अनुभव करेंगे।

प्रश्न 6- .....की प्यासी आत्माएँ चारों ओर अंचलि लेने के लिए तड़फती हुई दिखाई देंगी ?

A- दिव्य दृष्टि

B- नवीनता

C- दिव्यता

D- अलौकिकता

प्रश्न 7- किन बच्चों की बुद्धि में सारा ज्ञान रहता है ?

A- महारथी

B- ऑलराउंडर

C- सर्विसएबुल

D- फरमानबरदार

प्रश्न 8- बच्चों को कौनसा शौक हो तो गद्दीनशीन बन सकते है ?

A- प्रदर्शनी पर जाने की

B- भविष्य राजाई लायक बनने का

C- बाप समान बनने का

D- ऑॉलराउंड सर्विस करने का

प्रश्न 9- जब बाजोली खेलते है तब क्या मिलते है ?

A- पैर और सिर

B- हाथ और पैर

C- पॉंव और चोटी

D- हाथ और चोटी

प्रश्न 10- बुद्धि में क्या नहीं रहता है ?

A- हम शिवबाबा की सन्तान है।

B- हम गोडली स्टूडेंट है।

C- स्वयं भगवान हमको पढ़ाता है

D- एक बाप दूसरा ना कोई

प्रश्न 11- सुखधाम का मालिक कौन बनेंगे ?

A- जो सारे कांटे निकाल लेंगे।

B- जो निरन्तर याद मे रहेंगें।

C- जो भारत को स्वर्ग बना रहे ।

D- जो सम्पूर्णता के समीप होंगे।

प्रश्न 12- दिन-प्रतिदिन प्वाइंट्स बहुत निकलती रहती यह है जैसे .....?

A- ज्ञान खजाना

B- मृगतृष्णा

C- कस्तूरी

D- गुह्य बातें

प्रश्न 13- भक्ति मार्ग में मनुष्य ब्रह्मा को क्या कहते है ?

A- प्रजापिता

B- त्रिमूर्ति ब्रह्मा

C- ऊँच ते ऊँच

D- B और C

प्रश्न 14- सतयुग राजधानी किस आधार पर स्थापन होती है ?

A- नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार

B- संगम की पढ़ाई के आधार पर

C- सर्विस के अनुसार

D- धारणा के अनुसार

प्रश्न 15- शोभनिक चित्र ऐसे हों जो देखने से ही .....?

A- समझ आ जाये

B- तीर लग जाये

C- खुशी आ जाये

D- ज्ञान बैठ जाये

प्रश्न 16- बाबा खुद तो एवर हसीन है। सब ..... को हसीन बनाते हैं ?

A- आत्माओं को

B- बच्चों को

C- सजनियों को

D- B और C

भाग (17) खण्ड {34} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 B - *पतितों को पावन बनने का रास्ता कैसे बताएं।*

बाप आया है पतितों को पावन बनाने। बाबा कहते हैं तुम्हारा भी यही धन्धा है। *रात-दिन यही चिंतन करो। हम पतितों को पावन बनने का रास्ता कैसे बतायें!* रास्ता बहुत सहज है।

उत्तर 2 C - *योगबल*

योगबल से ही हम सतोप्रधान बनेंगे। यह है अविनाशी सर्जन की दवाई। यह कोई मन्त्र आदि नहीं है। यह तो बाप को सिर्फ याद करना है। कितना क्लीयर समझाते हैं।

उत्तर 3 D - *निमित्त बन अनेक आत्माओं का कल्याण करने का ध्यान रखते हैं।*

सेन्सीबुल बच्चे ऊंच पद पाने के लिए निरन्तर याद में रहने का पुरुषार्थ करते हुए सदैव इस श्रीमत का ध्यान रखेंगे कि हमको *निमित्त बन अनेक आत्माओं का कल्याण करना है।* जो बहुतों का कल्याण करते हैं, उनका कल्याण स्वत: ही हो जाता है।

उत्तर 4 D - *A- नई दुनिया और B पुरानी दुनिया*

बच्चों की बुद्धि में अभी नई दुनिया और पुरानी दुनिया दोनों हैं क्योंकि बच्चे जानते हैं पुरानी दुनिया का विनाश अभी होने वाला है और नई दुनिया बाप ही रचते हैं

उत्तर 5- B- साधारण जीवन से आत्माएँ संतुष्ट नही हैं।

सामने आने से ही साधारण आत्मा अपनी साधारणता को भूल जायेगी क्योंकि आजकल के समय अनुसार वर्तमान के साधारण जीवन से मैजारिटी आत्मायें सन्तुष्ट नहीं हैं। आगे चलकर यह आवाज सुनेंगे कि यह जीवन कोई जीवन नहीं है, जीवन में कुछ नवीनता चाहिए।

उत्तर 6- C- दिव्यता

“दिव्यता'' जीवन का विशेष आधार है - यह अनुभव करेंगे। कुछ चाहिए, कुछ चाहिए - इस ‘चाहिए' की प्यास से चारों ओर ढूंढेंगे। जैसे स्थूल पानी की प्यास में तड़पता हुआ मानव चारों ओर पानी की बूंद के लिए तड़पता है, ऐसे *दिव्यता की प्यासी आत्माएं चारों ओर अंचली लेने के लिए तड़फती हुई दिखाई देंगी।*

उत्तर 7- C- सर्विसएबुल

मैं जो युक्ति सिखलाता हूँ, जो सीखते हैं वही जाकर नई दुनिया में राज्य करते हैं। यह ज्ञान वहाँ कुछ भी रहेगा नहीं। अब तुम्हारी बुद्धि में सारी नॉलेज है। जिनकी बुद्धि में है वह औरों को समझाते हैं। *सर्विसएबुल बच्चों की बुद्धि में सारा ज्ञान टपकता रहता है।* जरूर सतयुग में पहले-पहले देवी-देवता धर्म वाले थे।

उत्तर 8- D- ऑॉलराउंड सर्विस करने का

आलराउन्ड सर्विस करने का शौक हो तो गद्दीनशीन बन सकते हैं, जो आलराउन्ड सर्विस कर बहुतों को सुख देते हैं उन्हें उसका उजूरा भी मिलता है। बच्चों को हमेशा हर सर्विस में हाज़िर रहना चाहिए। ऐसा होशियार बनो जो माँ-बाप का शो करो। मम्मा बाबा कहते हो तो उन जैसा बनकर दिखाओ।

उत्तर 9- C- पॉंव और चोटी

ब्राह्मण सम्प्रदाय जरूर संगम पर ही होगी। आसुरी सम्प्रदाय है कलियुग में, दैवी सम्प्रदाय है सतयुग में। तो जरूर

संगम पर ही स्थापना होगी दैवी सम्प्रदाय की। *जब बाजोली खेलते हैं तो पाँव और चोटी मिलते हैं।* तुम ब्राह्मण हो फिर याद आता है। विराट रूप का चित्र भी जरूरी है। इसकी समझानी बड़ी अच्छी है।

उत्तर 10- A- हम शिवबाबा की सन्तान है।

बाबा की पोजीशन को सिर्फ तुम बच्चे ही जानते हो सो भी नम्बरवार पुरूषार्थ अनुसार जानते हो। भल ब्रह्माकुमार कहलाते हैं परन्तु *बुद्धि में यह नहीं रहता कि हम शिवबाबा की सन्तान हैं।* उनसे हम स्वर्ग का वर्सा ले रहे हैं। न बाप को, न वर्से को याद कर सकते हैं। याद रहे तो अन्दर की खुशी भी रहे ना।

उत्तर 11- C- जो भारत को स्वर्ग बना रहे ।

वह गाते रहते हैं, यहाँ तुम प्रैक्टिकल में उस बाबा का वर्सा ले रहे हो। तुम जानते हो बाबा हमारे द्वारा *भारत को स्वर्ग बना रहे हैं। जिनके द्वारा बना रहे हैं, जरूर वही सुखधाम

का मालिक बनेंगे।* बच्चों को तो बहुत खुशी रहनी चाहिए। बाबा की महिमा अपरमअपार है, उससे हम वर्सा पा रहे हैं।

उत्तर 12- C- कस्तूरी

मनुष्य तो कह देते आत्मा निर्लेप है। अभी तुम जानते हो - आत्मा में 84 जन्मों का पार्ट है ही। उनको फिर निर्लेप कहना कितना रात-दिन का फर्क हो जाता है। जब यह कोई अच्छी रीति मास डेढ़ बैठ समझेंगे तब प्वाइंट्स बुद्धि में बैठेंगी। *दिन-प्रतिदिन प्वाइंट्स बहुत निकलती रहती हैं। यह है जैसे कस्तूरी।* शास्त्रों में तो कुछ भी सार नहीं है। बाबा कहते हैं - वह अब बुद्धि से निकाल दो। ज्ञान सागर एक मैं ही हूँ।

उत्तर 13- B- त्रिमूर्ति ब्रह्मा

रूहानी बाप को परमात्मा कहा जाता है। सभी आत्माओं का बाप एक परमपिता परमात्मा है। वह बैठ ब्रह्मा तन द्वारा समझाते हैं। *भक्तिमार्ग में मनुष्य कहते हैं त्रिमूर्ति ब्रह्मा।* अभी तुम ब्राह्मण ऐसे नहीं कहेंगे। तुम तो कहते हो त्रिमूर्ति

शिव अर्थात् ब्रह्मा, विष्णु, शंकर का रचयिता शिव। त्रिमूर्ति ब्रह्मा का कोई अर्थ नहीं निकलता है।

उत्तर 14- B- संगम की पढ़ाई के आधार पर

सतयुग राजधानी संगम की पढ़ाई के आधार पर स्थापन होती है। जो अच्छी रीति पढ़ते हैं अथवा जिन पर ब्रह्स्पति की दशा है वह सूर्यवंशी में आते हैं। जो पढ़ते नहीं, सर्विस नहीं करते उन पर बुध की दशा बैठती, वह जैसे बुद्धू हैं। वह प्रजा में आ जाते हैं। ऊंच प्रजा, नौकर चाकर आदि सब इस समय की पढ़ाई के आधार पर ही बनते हैं।

उत्तर 15- C खुशी आ जाये

प्रदर्शनी में देखो कितने आते हैं। सेन्टर में कोई मुश्किल आयेंगे। भारत तो बहुत लम्बा चौड़ा है ना। सब जगह तुमको जाना है। पानी की गंगायें तो सारे भारत में नहीं हैं। प्रतिदिन चित्र भी अच्छे-अच्छे बनते रहेंगे। *शोभनिक चित्र ऐसे हों जो देखने से ही खुशी आ जाए* कि यह तो ठीक समझाते हैं।

उत्तर सं 16- D (B और C*)

सतयुग है फूलों का बगीचा। तुम देखते हो बाबा कैसा बगीचा बनाते हैं। मोस्ट ब्युटीफुल बनाते हैं। सबको हसीन बनाते हैं। *खुद तो एवर हसीन है। सब सजनियों को अथवा बच्चों को हसीन बनाते हैं।* रावण ने बिल्कुल काला बना दिया है। अब तुम बच्चों को खुशी होनी चाहिए हमारे ऊपर ब्रहस्पति की दशा बैठी है।